[श्री रामजी सिंह]

और उत्तर बिहार की लाइफ़-लिंक है, इनसे लोग सहरसा, पूर्णिया तक जाते हैं और दूसरी तरफ छोटा नागपुर और बिहार के अन्य दक्षिणी इलाका में जाते हैं। दुख की बात यह है कि वहां एक षडयन्त्र चल रहा है। जो प्राइवेट स्टीमर सर्विस है, वे चाहते हैं कि उन की सेवा चलती रहे और सरकारी सेवा बन्द हो जाय। नतीजा यह होता है कि जो कानून है कि रात में प्राइवेट स्टीमर सेवा न चले, उस का भी पालन नहीं होता है और वे रात में भी अपनी सेवा चलाते रहते हैं।

प्राइवेट स्टीमर सेवा को सरकारी स्टीमर सेवा के नजदीक नहीं रखना चाहिए लेकिन इन के नजदीक रहने से क्या नतीजा निकल रहा है कि जो अस्वस्थ प्रतियोगिता होती है अन-हैल्दी-काम्पीटीशन होता है उस में बहुत नुकसान होता है। इस सम्बन्ध में वहां बहुत बड़ा जन-प्रदर्शन भी हुआ था, जिस में दस हजार लोग रेलवे ट्रैक पर बैठ गये थे। यह प्रदर्शन उस समय हुआ था जब रेल विभाग के लोग उस रेलवे लाइन को उखाड़ने के लिए गये थे। अब मैं फिर सरकार को आगाह करना चाहता हूं कि दो महीने के बाद जब बाढ़ आयेगी और वह सेवा फिर अस्त-व्यस्त हो जायेगी, तो जनता का आक्रोश बढ़ेगा। इस लिए मैं पहले ही कह देना चाहता हूं कि बाढ़ आने के पहले ही रेलवे लाइन को ऊंचा कर दिया जाय ताकि यह सेवा फिर से अस्त-व्यस्त न हो जाय। मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि जो सेवा पिछले 80 वर्षों से चल रही थी, दो वर्षों से चालू क्यों नहीं हो पाती है? इसलिए सरकार प्राइवेट स्टीमर सर्विस के षडयन्त्र में न पड़ कर, उन के षडयन्त्र को नाकाम करते हुए, वहां की जनता की मांग को पूरा करे और रेलवे ट्रैक को ऊंचा करे, ताकि अगली बरसात में बाढ़ के समय यह अस्त-व्यस्त न हो।

(ii) REPORTED STRIKE IN BOKARO STEEL PLANT

श्री रामदास सिंह (गिरिडीह) : अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से एक बहुत महत्वपूर्ण बात की ओर सरकार का ध्यान खींचना चाहता हूं। 27-2-78 से बोकारो स्टील सिटी में हड़ताल चल रही है और उन मजदूरों की हड़ताल के चलते आज बोकारो स्टील सिटी में प्रति दिन 5 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है लेकिन इस पर स्टील मन्त्रालय और सेल कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। वहां पर उत्पादन कितना एफेक्ट कर गया है इस के लिए मैं आप के सामने 8 9 दिन का जो प्रोडक्शन है वह टार्गेट का कितने प्रतिशत रह गया है उसका ब्यौरा रखता हूं

सी० आर० शीटस का उत्पादन जो हड़ताल से पहले होता था उस का साढ़े छ प्रतिशत आज होता है। हड़ताल के दौरान सी० आर० कोआयल्म का उत्पादन 27 प्रतिशत रह गया है। इसी तरह से स्लेब्स का उत्पादन अब केवल 17 प्रतिशत, एच० आर० कोआयल्म का 16 प्रतिशत, इनगोट स्टील का 17 प्रतिशत होट मटेल का 33 प्रतिशत और मिन्टर का 26 प्रतिशत रह गया है। राष्ट्र का इतना बड़ा नुकसान होने के बाद भी आज सेल का जो मेनेजमेंट है उस पर कोई ध्यान नहीं देता है। वहां पर दो ब्लास्ट फरनेस बन्द हो गये हैं। जब मैं वहां पर 11-3-78 को गया था और मैंने जब यह टार्गेट और प्रोडक्शन का डेटा लिया, तो उस समय दोनों ब्लास्ट फरनेस बन्द हो गये थे और तीसरा भी बन्द होने की स्थिति में था। यह हालत आज बोकारो स्टील सिटी में चल रही है जब कि इस देश में स्टील की इतनी ज्यादा जरूरत है।

हड़ताल का कारण क्या है? इस हड़ताल का कारण यह है कि ज्वाइण्ट वेज

निगोशियेटिंग कमेटी ने जो 27-10-70 को वेतन-मान निर्धारित किया था, बोकारो स्टील सिटी के मैनेजमेंट ने एम० ई० एण्ड ई० ओ० टी० आपरेटर्स को वह स्केल नहीं दिया। इस से पहले भी वहां पर मजदूरों ने इस के लिए 1973 में हड़ताल की थी और दोनों पक्षों ने बिहार की लेबर मिनिस्टर श्रीमती राम दुलारी सिन्हा को आर्बीट्रेटर माना था और श्रीमती राम दुलारी सिन्हा के आश्वासन पर वहां के मजदूरों ने 7-11-73 को हड़ताल वापस ले ली थी। उस के बाद लेबर मिनिस्टर ने आर्बीट्रेटर के रूप मे वहा के मजदूरों के वेतन-मान के के लिए जो एवार्ड दिया था, उस को भी बोकारो स्टील सिटी ने नही माना और जो मजदूर हडताल पर थे उन को विक्टिमाइज न करने की जो बात अन्तरिम एवार्ड मे थी, उस को भी वायलेट किया गया। फाइनल एवार्ड में जो वेतन-मान मजदूरों को दिया गया था, उस के न देने पर मजदूरो ने स्ट्राइक का नोटिस दिया और अब मजदूर 27 फरवरी मे स्ट्राइक पर है। मैने पहले ही आप को फीगर्स दिये है कि देश का बहुत बडा नुकसान हो रहा है क्योंकि उत्पादन बहुत कम हो रहा है। इसलिए मै अपील करता हूं कि सेल या स्टील मिनिस्ट्री इस मामले मे जल्दी से जल्दी इण्टरवीन करे ताकि जो बाकी ब्लास्ट फरनेस है और जो कि बन्द होने वाला है, वह बन्द न हो और इस का बुरा असर जो पड़ने वाला है, वह न पड़े।

SHRI VASANT SATHE (Akola): On a point of order. I have been drawing your attention repeatedly. It is such an important matter and are we going to make a mockery of 377?

MR. SPEAKER: Please resume your seat. There are few others.

SHRI VASANT SATHE: I ask you: please at least ask the Ministers to be present.

Formerly, the practice was that the Minister for Parliamenary Affairs would convey....

13.00 hrs.

MR. SPEAKER: We are conveying it.

SHRI VASANT SATHE: Is it a formality?

MR. SPEAKER: No, no. It is not a formality.

SHRI VASANT SATHE: The practice also was that the Minister concerned would take some action in some cases at least and inform the House. We invite the attention of the House. A matter raised under Rule 377 becomes the property of the House. The Ministers do not take any notes. Have they come back with any reply to any matter raised under Rule 377 since the beginning of the session?

SHRI PURNA SINHA (Tezpur): If the Ministers do not give a reply, what is the use of raising a matter under Rule 377?

MR. SPEAKER: They have been asked to reply to the Members concerned. They have not been asked to make a statement before the House, but to give a reply to the Member concerned.

(iii) REPORTED ARREST OF SUGARCANE GROWERS AT BOAT CLUB, NEW DELHI

श्री चन्द्रशेखर सिंह (वाराणसी): अध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अन्तर्गत बोट क्लब पर 35 गन्ना किसानों की गिरफ्तारी की ओर सरकार का ध्यान खींचना चाहता हूं। सरकार की गलत गन्ना नीति थी और उसको समय पर गन्ने की पैदावार की सही जानकारी नहीं थी, जिसके फलस्वरूप किसानों को मजबूरन पांच रुपये क्विंटल गन्ना बेचना पड़ रहा है।